Literacy for a Billion

Movie: Jab Jab Phool Khile
Year: 1965

Song: Ek Tha Gul
Lyricist: Anand Bakshi

एक था गुल और एक थी बुलबुल
एक था गुल और एक थी बुलबुल
दोनों चमन में रहते थे
है ये कहानी बिलकुल सच्ची
मेरे नाना कहते थे
बुलबुल कुछ ऐसे गाती थी
ऐसे गाती थी
ऐसे गाती थी
कैसे गाती थी
बुलबुल कुछ ऐसे गाती थी
जैसे तुम बातें करते हो
वो गुल ऐसे शर्माता था
ऐसे शर्माता था
ऐसे शर्माता था
कैसे शर्माता था
वो गुल ऐसे शर्माता था
जैसे मैं घबरा जाता हूँ
बुलबुल को मालूम नहीं था
गुल ऐसे क्यों शर्माता था
वो क्या जाने उसका नगमा
गुल के दिल को धड़काता था
दिल के भेद ना आते लब पे
ये दिल में ही रहते थे

एक था गुल और एक थी बुलबुल
फिर क्या हुआ
लेकिन आखिर दिल की बातें
ऐसे कितने दिन छुपती हैं
ये वो कलियाँ हैं
जो एक दिन
बस काँटे बन के चुभती हैं
एक दिन जान लिया बुलबुल ने
वो गुल उसका दीवाना है
तुम को पसंद आया हो तो बोलूँ
फिर आगे जो अफसाना है
बोलो ना चुप क्यों हो गये
एक दूजे का हो जाने पर
वे दोनों मजबूर हुए
उन दोनों के प्यार के किस्से
गुलशन में मशहूर हुए
साथ जिएँगे साथ मरेंगे
वो दोनों ये कहते थे
फिर क्या हुआ
फिर एक दिन की बात सुनाऊँ
एक सय्यद चमन में आया
ले गया वो बुलबुल को पकड़ के
और दीवाना गुल मुरझाया
और दीवाना गुल मुरझाया

शायर लोग बयाँ करते हैं
ऐसे उनकी जुदाई की बातें
गाते थे ये गीत वो दोनों
सइयाँ बिना नहीं कटती रातें
सइयाँ बिना नहीं कटती रातें
हाय
मस्त बहारों का मौसम था
आँख से आँसू बहते थे
एक था गुल और एक थी बुलबुल

फिर क्या हुआ
आती थी आवाज हमेशा
ये झिलमिल झिलमिल तारों से
जिसका नाम मोहब्बत है वो
कब रूकती हैं दीवारों से
एक दिन आह गुल-ओ-बुलबुल की
उस पिंजरे से जा टकराई
टूटा पिंजरा छुटा कैदी
देता रहा सैय्याद दुहाई
रोक सके ना उसको मिलके
सारा जमाना
सारी खुदाई
गुल साजन को गीत सुनाने
बुलबुल बाग में वापस आयी
राजा बहुत अच्छी कहानी है
याद सदा रखना ये कहानी
चाहे जीना
चाहे मरना
तुम भी किसी से प्यार करो तो
प्यार गुल-ओ-बुलबुल सा करना
प्यार गुल-ओ-बुलबुल सा करना
प्यार गुल-ओ-बुलबुल सा करना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.